formed on 14-12-1985 and was granted de-jure recognition by KVS on 28-2-1986. The second convention of this association an intimated by them was held on 16th 4 17th September, 1989, RKVAS later split into two groups. Pending the final decision on the verification of membership of both the factions, KVS temporarily permitted both the groups under the name RKVAS (U) (Jagat Singh) and RKVAS (Ujagar Singh).

The HI convention of the RKVAS (U) was held on 27th & 28th November, 1993 and as per the report of the Election Commissioner appointed by this Sangh Sh. Sukhbir Singh Malik was declared elected President of RKVAS (U) and the suffix of this Association was accordingly changed to RKVAS (S).

The names of the elected office bearers were circulated to all the Asstt. Commissioners by H.Q. K.V.S. to extend the facilities to both the groups as are available to the other recognised Associations, temporarily subject to the condition that the groups will prove their membership in accordance with the Rules. Both the groups of RKVAS are functioning as RKVAS(U) and RKVAS(S) and they have been provided facilities as given to other recognised Associations of KVS.

Department of Personnel & Training have since issued revised instructions regarding recognition of service Associations and also procedure for verification of membership of Associations. Kendriya Vidyalaya Sangathan is taking necessary action for adoption of these rules for dealing with all matters relating to the Associations.

हिन्दी में कंप्यूटर शिक्षा

2851. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार की हिन्दी में कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देने संबंधी कोई योजना है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप-मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) शिक्षा विभाग के पास 8 वीं पंचवर्षीय योजना में हिंदी में कंप्यूटर शिक्षा को प्रोन्नत करने की कोई योजना नहीं है ।

शैक्षिक कार्यकलापों में संलग्न स्वैच्छिक संगठनों को ऋण

2852. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार शैक्षिक कार्यकलापों मे संलग्न स्वैच्छिक संगठनों को किस आधार पर अनुदान अथवा ऋण देती है;

(ख) क्या सरकार सहायता अथवा ऋण देने के बाद इन संगठनों द्वारा धन के उपयोग की निगरानी करती है;

(ग) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान सरकार को आंतरिक लेखा-परीक्षा एवं अन्य माध्यमों से वित्तीय अनियमितताओं के बारे में कितनी शिकायतें प्राप्त हुई हैं; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; एवं इन स्वैच्छिक संगठनों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) और (ख) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में यह प्रावधान है कि समुचित प्रबंधन के अधीन सामाजिक कार्य करने वाले समूहों सहित गैर-सरकारी तथा स्वयंसेवी प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा । तदनुसार यह मंत्रालय स्वैच्छिक एजेंसियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता अनुदान प्रदान करता है । संस्वीकृति से पूर्व तथा बाद में उनके अनुश्रवण के लिए स्वैच्छिक एजेंसियों के प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए अंतर्निहित तंत्र हैं ।

(ग) और(घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभापटल पर रख दी जाएगी ।

भारतीय शिक्षा सेवा शुरू करना

2853. **श्री अजीत जोगी : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय सिविल सेवा के समान भारतीय शिक्षा सेवा शुरू करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार ने इस संबंध में राज्य सरकारों के विचार मांगे हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग)में उप-मंत्री (कुमारी शैलजा): (क) से (घ) कार्रवाई योजना (पी० ओ० ए०)

1992 में शिक्षा प्रबंधन पर राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक आवश्यक कदम के रूप में भारतीय शिक्षा सेवा (आई० ई० एस०) की स्थापना का प्रावधान किया गया है । इसमें यह भी प्रावधान किया गया है कि इस सेवा के बुनियादी सिद्धांतों, कार्यों और भर्ती की प्रक्रियाओं के संबंध में राज्य सरकारों के परामर्श से निर्णय लिया जाना चाहिए । तदनुसार राज्यों से भारतीय शिक्षा सेवा के गठन पर अपनी विस्तृत टिप्पणियाँ भेजने का अनुरोध किया गया है । अब तक केवल गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब और पांडिचेरी एवं लक्षद्वीप संघ क्षेत्र प्रशासनों से ही टिप्पणियाँ प्राप्त हुई हैं ।

Preservation of Shakespearian Literature

2854. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA :
SHRI ANANT RAM JAISWAL :

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to **state** :

(a) whether it is a fact that valuable volume of Shakespeare is now in possession of the National Museum which was earlier in the possession of Military Library, Roorkee University, Roorkee during the period of East India Company in the country;

(b) whether this valuable book which is now in **a** brittle condition requires an expenditure of six to seven lacs as estimated by the department concerned after consultation with a UNESCO advisor sometime in 1953 ;

(c) whether this precious book is proposed to be auctioned by the Roorkee University to meet their financial difficulties; and

(d) if so, what steps are proposed to be taken by Government for the preser vation of the precious volume of Shakes-**pear** which is the only Shakespearian literature available in the country ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) **(**KUMARI SELJA**)** : (a) The volume in question which is a facsimile document is not in the possession of National Museum but with Roorkee University, Roorkee.

(b) and **(c)** Do not arise**.**

(d) There is no proposal pending with National Museum for preservation of the facsimile document.

Declining Interest in Science Studies

2855. SHRI SAIYA PRAKASH MALAVIYA:
SHRI DIGVIJAY SINGH : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the steady decline in the turnout of Scientific manpower from the various Universities in the country;

(b) if so, whether Government have made any comparative study with regard to the declining trend in the Scientific manpower during the last three years or so;

(c) if so, what are the details thereof;

(d) what are the reasons identified therefor; and

(e) what measures are contemplated by Government to reverse the declining interest in Science studies by the students in various parts of the country ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) to (e) According to the information furnished by **the** University Grants Commission, the students' enrolment in Science has **been** consistently increasing. The total enrolment in the faculty of Science rose from 8,00,266 in 1988-89 to 9,41,734 in 1992-93.

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (के० वी० एस०) में भर्ती संबंधी समाचार

2856. श्री गोविन्दराम गिरी क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान "राष्ट्रीय सहारा" (नई दिल्ली संस्करण) के 5 अक्टूबर, 1994 के अंक में "केन्द्रीय विद्यालय संगठन-नियुक्तियों में उड़ी नियमों की धज्जियां" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?